रांची 01 दिसम्बर, 2014। सीएमपीडीआई के ''कोयला हॉल'' में विश्व एड्स दिवस मनाया गया। इस मौके पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक श्री ए0के0 देबनाथ, निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0घोष, निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0 चोपड़ा, निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्हा एवं झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी के सलाहकार डॉ0 देवाशीष चक्रवर्ती उपस्थित थे।

इस अवसर पर सीएमपीडीआई के अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, श्री ए0के0 देबनाथ ने कहा कि आर्थिक एवं शैक्षणिक रूप से पिछड़े राज्य व देश में एड्स बीमारी ज्यादा होती है अथवा फैलती है। परिस्थितिवश भी लोग इस बीमारी से बच नहीं पाते हैं। हमें उस तबके को अपने जीवन के व्यवहार में बदलाव लाने के लिए काम करना चाहिए।

निदेशक (तकनीकी/ईएस) श्री डी0के0घोष ने जैसे जैसे मेडिकल साइंस आगे बढ़ रहा है वैसे वैसे नयी नयी बीमारियां भी जन्म ले रही हैं या उसकी खोज/पहचान की जा रही है। गरीब देश में अनुशासनप्रिय जीवन नहीं जीने के कारण भी बीमारियां जन्म लेती हैं।

निदेशक (तकनीकी/पीएंडडी) श्री आर0के0 चोपड़ा ने कहा कि एड्स के प्रति वर्तमान में जो नजरिया है उसमें बदलाव लाने की आवश्यकता है। इस क्षेत्र में व्यापक दायरे में रहकर काम करने की आवश्यकता है।

निदेशक (तकनीकी/आरडीएंडटी) श्री वी0के0 सिन्हा ने कहा कि इस बीमारी के लिए जो जागरूकता अभियान चल रहा है उसे और गति देकर इसकी रोकथाम की जा सकती है।

झारखंड एड्स कंट्रोल सोसाइटी के सलाहकार डॉ0 देवाशीष चक्रवर्ती ने कहा कि पूरे विश्व में 8 पब्लिक हेल्थ अभियान चलाया जा रहा है उसमें से एक एड्स जागरूकता व रोकथाम अभियान भी शामिल

है। इसकी गंभीरता इसी बात से इंगित होती है। उन्होंने इस उद्देश्य की पूर्ति हेतु सभी से समाज में जागरूकता लाने के लिए आग्रह किया।

सीएमपीडीआई के चिकित्सा अधीक्षक डॉ0 ओम प्रकाश ने कहा कि एड्स के फेलने में मुख्य कारणों के बारे में बताया। इसके बचाव व रोकथाम में इन कारकों पर ध्यान देकर इसकी रोकथाम तथा भविष्य में इसकी तरह की बीमारी की संख्या शून्य की जा सकती है।

इस अवसर पर जेसीसी सदस्य समेत सीएमपीडीआई परिवार के लोग उपस्थित थे। मंच का संचालन तथा धन्यवाद ज्ञापन वरीय प्रबंधक (कार्मिक/कल्याण) श्रीमती सुमन रस्तोगी ने किया।

***